भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4756

दिनांक 28 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

ग्रामीण क्षेत्रों में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन

4756. श्री इमरान मसूदः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है और देश के ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में इस प्रणाली से जुड़े जिलों और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की राज्यवार संख्या कितनी है;

(ख) क्या ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं तक पहुंच प्रदान करने में अवसंरचना, इंटरनेट कनेक्टिविटी और स्वास्थ्यकर्मियों में तकनीकी साक्षरता की कमी जैसी चुनौतियों का सामना किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के सुधार पर एबीडीएम के प्रभाव का आकलन किया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी प्रमुख निष्कर्षों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा कम कनेक्टिविटी और अपर्याप्त स्वास्थ्य अवसंरचना वाले क्षेत्रों में डिजिटल स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं का विस्तार करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है और इस संबंध में ई-संजीवनी जैसे टेलीमेडिसिन प्लेटफार्मों की क्या भूमिका है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ङ): आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) को प्रत्येक नागरिक का अनुदैर्ध्य इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड बनाने के लिए स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर स्वास्थ्य डेटा की अंतर-संचालन क्षमता को सक्षम करने वाला एक ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। दिनांक 24 मार्च 2025 तक, कुल 76,34,18,770 (~76.34 करोड़) आयुष्मान भारत स्वास्थ्य लेखा (एबीएचए) बनाए गए हैं, स्वास्थ्य सुविधा केंद्र रजिस्ट्री (एचएफआर) पर 3,83,092 (~3.83 लाख) स्वास्थ्य सुविधा केंद्र पंजीकृत किए गए हैं,

स्वास्थ्य पेशेवर रजिस्ट्री (एचपीआर) पर 5,88,388 (~5.88 लाख) स्वास्थ्य परिचर्या पेशेवरों को पंजीकृत किया गया है और 51,75,17,245 (~51.75 करोड़) स्वास्थ्य रिकॉर्ड एबीएचए से जोड़े गए हैं।

स्वास्थ्य सुविधा केंद्र रजिस्ट्री (एचएफआर) की पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान ग्रामीण/शहरी क्षेत्र का विवरण दर्ज नहीं किया जाता है। दिनांक 24 मार्च 2025 तक एबीडीएम सक्षम सॉफ्टवेयर वाले सुविधा केंद्रों (सार्वजनिक और निजी दोनों) की राज्यवार गणना अनुलग्नक-क में है।

सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं कि मिशन का लाभ प्रत्येक नागरिक तक पहुंचे। समावेशन एबीडीएम के प्रमुख सिद्धांतों में से एक है। एबीडीएम द्वारा बनाया गया डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र प्राथमिक, मध्यम और विशिष्ट स्वास्थ्य परिचर्या सेवा में निर्बाध तरीके से परिचर्या की निरंतरता का समर्थन करता है। यह टेलीमेडिसिन आदि जैसे विभिन्न प्रौद्योगिकी अंतःक्षेपों के माध्यम से विशेष रूप से दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं की उपलब्धता में सहायता करता है। एबीडीएम में उन जगहों पर सहायता प्राप्त मोड के लिए प्रावधान हैं जहां इंटरनेट कनेक्टिविटी खराब हो सकती है। उदाहरण के लिए, आभा के निर्माण के लिए ऑफलाइन मोड को सक्षम किया गया है, जहां इंटरनेट कनेक्टिविटी खराब हो सकती है या हार्डवेयर की अनुपलब्धता हो सकती है या दोनों हो सकते हैं।

एबीडीएम का कार्यान्वयन करने वाला निकाय, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, एबीडीएम को लागू करने के लिए राज्यों के साथ घनिष्ठ समन्वय में काम कर रहा है। एबीडीएम से संबंधित विभिन्न केपीआई [मुख्य निष्पादन संकेतक] की प्रगति पर नजर रखने के लिए एक सार्वजनिक डैशबोर्ड [dashboard.abdm.gov.in] स्थापित किया गया है। इस डैशबोर्ड में राज्य, जिला और अस्पताल स्तर तक ड्रिल-डाउन है और इसलिए, एबीडीएम के कार्यान्वयन के आकलन में मदद करता है।

ई-संजीवनी, 36 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में संचालित राष्ट्रीय टेलीमेडिसिन सेवा है, जिसका उद्देश्य सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) प्राप्त करना है, जिसे दो प्रकारों में कार्यान्वित किया जाता है: (i) ई-संजीवनी एबी-एचडब्ल्यूसी/आयुष्मान आरोग्य मंदिर - एक प्रदाता-से-प्रदाता टेलीमेडिसिन प्लेटफ़ॉर्म (ii) ई-संजीवनी ओपीडी - एक रोगी-से-प्रदाता टेलीमेडिसिन प्लेटफ़ॉर्म और हब और स्पोक मॉडल पर संचालित होता है।

दिनांक 18.03.2025 तक, ई-संजीवनी ने 35 करोड़ से अधिक रोगियों की सेवा की है। यह सेवा 1,31,260 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (पूर्ववर्ती स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्र) के माध्यम से संचालित की गई है, जो स्पोक के रूप में कार्य करते हैं, जिन्हें 16,965 हब और 690 से अधिक ऑनलाइन ओपीडी द्वारा सेवा प्रदान की जाती है, जिन्हें टेलीमेडिसिन चिकित्सकों के रूप में 2,31,742 से अधिक डॉक्टरों, चिकित्सा विशेषज्ञों, सुपर-स्पेशलिस्ट और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की एक टीम द्वारा सेवा प्रदान की जाती है।

इसके अलावा, नेटवर्क कनेक्टिविटी के मुद्दों के समाधान के लिए, राज्य सरकारें आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप-स्वास्थ्य केंद्र स्तर तक ब्रॉडबैंड कवरेज का विस्तार करने के लिए दूरसंचार प्रदाताओं के साथ सहयोग कर रही हैं।

अनुलग्नक-क

क्र.सं.	राज्य	एबीडीएम सक्षम सॉफ्टवेयर वाले सुविधा केंद्रों की संख्या	राज्य में जिलों की संख्या	एबीडीएम-सक्षम सुविधा केंद्रों वाले जिलों की संख्या
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	76	3	3
2	आंध्र प्रदेश	14,900	26	26
3	अरुणाचल प्रदेश	312	25	25
4	असम	5,411	35	34
5	बिहार	13,528	38	37
6	चंडीगढ़	120	1	1
7	छत्तीसगढ़	4,409	33	33
8	दिल्ली	835	11	11
9	गोवा	357	2	2
10	गुजरात	13,119	33	33
11	हरियाणा	3,299	22	22
12	हिमाचल प्रदेश	1,498	12	10
13	जम्मू और कश्मीर	3,412	20	20
14	झारखंड	1,442	24	24
15	कर्नाटक	10,289	31	31
16	केरल	5,879	14	14
17	लद्दाख	158	2	2
18	लक्षद्वीप	31	1	1
19	मध्य प्रदेश	1,879	55	53
20	महाराष्ट्र	17,549	36	36
21	मणिपुर	130	16	16
22	मेघालय	182	12	12
23	मिजोरम	519	11	11
24	नागालैंड	385	16	15
25	ओडिशा	5,882	30	30
26	पुदुचेरी	80	4	4
27	पंजाब	4,448	23	23
28	राजस्थान	1,360	50	47
29	सिक्किम	101	6	6
30	तमिलनाडु	1,576	38	38
31	तेलंगाना	3,664	33	33
32	दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	111	3	3
33	त्रिपुरा	343	8	8
34	उत्तर प्रदेश	37,936	75	75
35	उत्तराखंड	939	13	13
36	पश्चिम बंगाल	11,083	23	23
	कुल योग	**1,67,242**	**785**	**775**

*****